

हर घर जल

प्रलिस के लयि:

हर घर जल, ग्राम सभा, जल जीवन मशिन, ग्राम पंचायत, ग्राम जल और स्वच्छता समति (VWSC), कार्यात्मक नल कनेक्शन (FHTC), संसद आदर्श ग्राम योजना (SAGY)।

मेन्स के लयि:

जल जीवन मशिन का प्रभाव।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, [गोवा](#) तथा [दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव](#) देश में क्रमशः पहले 'हर घर जल' प्रमाणति राज्य और केंद्रशासति प्रदेश बन गए।

- सभी गाँवों के लोगों ने [ग्राम सभा](#) द्वारा पारति एक प्रस्ताव के माध्यम से अपने गाँव को [हर घर जल](#) घोषति कया है, जसिमें यह प्रमाणति कया गया है कि गाँवों के सभी घरों में नल के माध्यम से सुरक्षति पेयजल उपलब्ध है।
- गोवा के सभी 378 गाँवों और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के 96 गाँवों में [ग्राम जल और स्वच्छता समति \(वीडब्ल्यूएससी\)](#) या जल समतिकि गठन कया गया है।
 - यह 'हर घर जल' कार्यक्रम के तहत वकिसति जल आपूर्ति बुनयादी ढाँचे के संचालन, रखरखाव और मरम्मत के लयि ज़मिमेदार है।

जल जीवन मशिन:

परचिय:

- [जल जीवन मशिन](#) जल शक्ति मंत्रालय के तहत केंद्र सरकार की एक पहल है, जसिका उद्देश्य भारत में हर घर के लयि नल से जल की पहुँच सुनिश्चति करना है।
- जल जीवन मशिन की परकिल्पना ग्रामीण भारत के सभी घरों में वर्ष 2024 तक व्यक्तगित घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षति और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लयि की गई है।
- कार्यक्रम अनविर्य तत्त्वों के रूप में स्रोत स्थरिता उपायों को भी लागू करेगा, जैसे कि भू-जल प्रबंधन, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन के माध्यम से पुनर्भरण और पुनः उपयोग।
- जल जीवन मशिन जल के प्रती [सामुदायिक दृष्टिकोण पर आधारति](#) होगा।
 - मशिन में प्रमुख घटकों के रूप में सूचना, शकिषा और संचार शामिल होंगे।
 - मशिन का उद्देश्य जल के लयि एक जन आंदोलन बनाना है, जो इसे हर कसि की प्राथमकिता बनाता है।
 - इसके अलावा, [हर घर नल से जल कार्यक्रम](#) की घोषणा वतित मंत्री ने वर्ष 2019-20 के बजट में की थी।
 - यह जल जीवन मशिन का एक महत्त्वपूर्ण हसिसा है।
 - कार्यक्रम का उद्देश्य स्रोत स्थरिता उपायों को अनविर्य तत्त्वों के रूप में लागू करना है, जैसे कि भूजल प्रबंधन, जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन के माध्यम से पुनर्भरण और पुनः उपयोग।

मशिन:

- सहायता, सशक्तकिरण और सुवधि प्रदान करने के लयि:
 - राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्रत्येक ग्रामीण परिवार और सार्वजनिक संस्थान के लयि दीर्घकालिक आधार पर [पेयजल सुरक्षा](#) सुनिश्चति करने हेतु ग्रामीण जलापूर्ति रणनीति की योजना बना रहे हैं।
 - राज्यों/केंद्रशासति प्रदेशों को जलापूर्ति के बुनयादी ढाँचे के नरिमाण के लयि ताकवर्ष 2024 तक [प्रत्येक ग्रामीण परिवार में कार्यात्मक नल कनेक्शन \(FHTC\)](#) हो और नयिमति आधार पर पर्याप्त मात्रा में नरिधारति गुणवत्ता में जल उपलब्ध हो।
 - [ग्राम पंचायतों \(GPs\)/ग्रामीण समुदायों](#) अपने गाँव में [जलापूर्ति प्रणाली की योजना](#), [कार्यान्वयन](#), [प्रबंधन](#), [स्वामतिव](#), [संचालन](#) और [रखरखाव](#) करेंगे।
 - राज्यों/केंद्रशासति प्रदेशों को उपयोगति दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर सेवा वतिरण और क्षेत्र की वतितय स्थरिता पर ध्यान केंद्रति करने वाले मज़बूत संस्थानों को वकिसति करना होगा।

- हतिधारकों के क्षमता निर्माण को और बढ़ाना एवं जीवन की गुणवत्ता में सुधार हेतु जल के महत्त्व पर समुदाय में जागरूकता वसितार करना।

■ उद्देश्य:

- प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कार्यात्मक नल कनेक्शन (FHTCs) प्रदान करना।
- गुणवत्ता प्रभावित क्षेत्रों, सूखाग्रस्त और रेगिस्तानी क्षेत्रों के गाँवों, [सांसद आदर्श ग्राम योजना \(SAGY\)](#) गाँवों आदि में FHTCs के प्रावधान को प्राथमिकता देना।
- स्कूलों, आँगनबाड़ी केंद्रों, ग्राम पंचायत भवनों, स्वास्थ्य केंद्रों, आरोग्य केंद्रों और सामुदायिक भवनों को कार्यात्मक नल कनेक्शन प्रदान करना,
- नल कनेक्शन की कार्यक्षमता की निगरानी करना।
- **नकद, वस्तु और/या श्रम, और स्वैच्छिक श्रम (श्रमदान) में योगदान के माध्यम से स्थानीय समुदाय** के बीच स्वैच्छिक स्वामित्व को बढ़ावा देना और सुनिश्चित करना,
- **जल आपूर्ति प्रणाली, यानी जल स्रोत, जल आपूर्ति बुनियादी ढाँचे की स्थिरता सुनिश्चित करने में सहायता करना।**

नोट: बजट 2021-22 में, सतत विकास लक्ष्य- 6 के अनुसार सभी वैधानिक कस्बों में कार्यात्मक नलों के माध्यम से सभी घरों में जल आपूर्ति की सार्वभौमिक कवरेज प्रदान करने के लिये आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत [जल जीवन मशिन \(शहरी\)](#) की घोषणा की गई है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ):

प्रलिस के लिये:

प्रश्न: नमिलखित कथनों पर वचिर कीजिये: (2020)

1. भारत के 36% ज़िलों को केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (CGWA) द्वारा "अतशोषित" या "गंभीर" के रूप में वर्गीकृत कया गया है।
2. CGWA का गठन पर्यावरण (संरक्षण) अधनियम के तहत कया गया था।
3. भारत में भूजल सचिाई के तहत दुनया का सबसे बड़ा क्षेत्र है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 2
- (d) केवल 1 और 3

उत्तर: b

व्याख्या:

- भू-जल स्तर के आधार पर, देश भर के क्षेत्रों को तीन श्रेणियों में बाँटा गया है: अतशोषित, गंभीर और कम गंभीर। अतशोषित स्थिति में भूजल का पुनर्भरण दर की तुलना में अधिक दर (100 प्रतिशत से अधिक) से भूजल का दोहन कया जा रहा है। गंभीर स्थिति में भूजल दोहन पुनर्भरण का 90-100 प्रतिशत है और कम गंभीर स्थिति में भूजल दोहन पुनर्भरण 70-90 प्रतिशत है।
- भारत के गतशील भूजल संसाधनों पर राष्ट्रीय संकलन की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2017 देश में कुल 6881 मूल्यांकन इकाइयों (ब्लॉक/मंडलों/तालुकाओं) में से वभिन्न राज्यों (17%) में 1186 इकाइयों को अतशोषित, 313 इकाइयों (5%) को गंभीर और 972 इकाइयों(14%) को कम गंभीर के रूप में वर्गीकृत कया गया है है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- **नोट:** भारत के गतशील भूजल संसाधनों पर राष्ट्रीय संकलन 2020 के अनुसार; देश में कुल 6965 मूल्यांकन इकाइयों (ब्लॉक/मंडल/तालुका) में से, 16% को 'अतशोषित, 4% गंभीर, 15% कम गंभीर और 64%' को 'सुरक्षित' के रूप में वर्गीकृत कया गया है। इनके अलावा, 97 (1%) मूल्यांकन इकाइयों ऐसी हैं, जनिहें 'सलाइन' के रूप में वर्गीकृत कया गया है।
- **केंद्रीय भू-जल प्राधिकरण (CGWA)** का गठन **पर्यावरण (संरक्षण) अधनियम, 1986 की धारा 3 (3)** के तहत भूजल संसाधनों के विकास और प्रबंधन को वनियमति और नयितरति करने के लिये कया गया था। **अतः कथन 2 सही है।**
- संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (FAO) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत (39 मिलियन हेक्टेयर), चीन (19 मिलियन हेक्टेयर) और संयुक्त राज्य अमेरिका (17 मिलियन हेक्टेयर) में भूजल के साथ सचिाई के लिये सबसे अधिक क्षेत्रफल वाले देश हैं। **अतः कथन 3 सही है।**

अतः विकल्प (b) सही है।

मेनस:

प्रश्न. जल तनाव क्या है? यह भारत में क्षेत्रीय रूप से कैसे और क्यों भन्न है? (2019)

स्रोत:पी.आई.बी.

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/har-ghar-jal-3>

